IMP.QUESTIONS WITH ANSWER

1.सबके मनोरथ कैसे पूर्ण होते हैं ?

▶ सबके मनोरथ भगवान (प्रभो) की दया से पूर्ण होते हैं। क्योंकि भगवान दयानिधि है।

2.रवींद्रनाथ जी ने 'सर' की उपाधि क्यों त्याग दी ?

▶ सन् 1919 में जलियाँवाला बाग के अमानुषिक हत्याकाण्ड के पश्चात् रवींद्र जी ने 'सर' की उपाधि त्याग दी।

3.रवींद्रनाथ जी को कौन-कौन सी उपाधियाँ मिली हैं ?

▶ रवींद्रनाथ जी की उपाधियाँ थीं :-

- ✓ नोबेल पुरस्कार (1913)
- ✓ सर की उपाधि (1913)
- ✓ डी.लिट की मानद उपाधि (1914)
- ✓ गुरुदेव .....आदि।

4.शांतिनिकेतन का आशय क्या था ? OR शिक्षा क्षेत्र को रवींद्रनाथ जी की देन क्या है ?

▶ रवींद्रनाथ जी ने शांतिनिकेतन की स्थापना की। शांतिनिकेतन का आशय था कि औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ युवक-युवतीयों की प्रतिभा तथा कौशल की अभिव्यक्ति के लिए आवश्यक मंच का निर्माण हो, और उनकी प्रतिभा आजीविका का साधन भी बने।

5. भिखारी और करोड़पति में से आप किसे श्रेष्ट मानते हैं ? क्यों ? OR भिखारी के मानवीय गुण का परिचय दीजिए।

▶ भिखारी और करोड़पति में से हम भिखारी को श्रेष्ट मानते हैं। क्योंकि भिखारी चार दिनों से भूखा था। उसके बच्चे भी भूख से तड़प रहे थे।फिर भी रास्ते में रोते हुए छोटे बच्चे की दयनीय स्थिति को देखकर उसे पचास पैसे देता है। इतना ही नहीं अपनी जान की परवाह किए बिना एक बूढ़े व्यक्ति को मोटार के नीचे कुचल जाने से बचाता है।

6.इंटरनेट का मतलब / अर्थ क्या है ?

▶ अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल ही इंटरनेट है।

7.ई-गवर्नेंस क्या है ?

▶ सरकार के सभी कामकाजों का विवरण और अभिलेख तथा सरकारी आदेशों को सूचित करने का साधन ही ई-गवर्नेंस है।

8.सोशल नेटवर्किंग से समाज पर क्या प्रभाव पड रहा है ?

▶ सोशल नेटवर्किंग के साइट्स से देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान, कला, संस्कृति आदि का शीघ्र प्रभाव समाज पर पड रहा है।

9.सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे ?

▶ सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है क्योंकि इस सोशल नेटवर्किंग ने पूरी दुनिया को एक जगहला खड़ा कर दिया है। फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर आदि सोशल नेटवर्किंग के साइट्स से देश-विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा,खान-पान,कला,संस्कृति आदि का शीघ्र प्रभाव समाज पर पड रहा है।

ANWAR CHS NAGASIETTIKOPPA, HUBLI

10.मातृभूमि कविता में कवि भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है ?

► हरे-भरे खेत सुहाने हैं ।फल-फूलों से युत वन-उपवन है ।खनिजों का व्यापक धन भारत माँ के अंदर भरा हुआ है। सुख-संपत्ति,धन-धाम मुक्त हस्त से बाँट रही है। इस तरह भारत माँ का प्रकृति-सौंदर्य है।

11.कवि भगवतीचरण वर्मा ने मातृभूमि का स्वरुप किस तरह कविता में उभारा है ?

► मातृभूमि अमरों की जननी है। उसके उर में गांधी, बुद्ध् और राम शायित है। एक हाथ में न्याय-पताका है। दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है। इस तरह मातृभूमि का स्वरुप है।

12.लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

► महादेवी वर्मा जी को आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और उसी तेजी से उतरता। लेखिका उठकर उसे पकड़ने तक उसका यह क्रम चलता था।

13.महादेवी वर्मा जी को चौंकाने के लिए वह कहाँ-कहाँ छिप जाता था ? OR लेखिका को गिल्लू कैसे चौंकाता था ?

► गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में,कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिपकर लेखिका को चौंकाता था।

14.गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए।

► गिल्लू झूले में स्वयं झूलता, अपनी काँच के मनकों-सी आँखों से कमरे के भीतर और बाहर न जाने क्या देखता-समझता रहता था। साथ ही लेखिका को आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और उसी तेजी से उतरता। लेखिका उठकर उसे पकड़ने तक उसका यह क्रम चलता था। गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में,कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिपकर लेखिका को चौंकाता था ।गिल्लू के इस कार्य-कलाप पर सबको आश्चर्य होता था।

15.गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए।

► गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। उस दिन गिल्लू न कुछ खाया , न बहार गया। उसके पंजे ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने हीटर जलाकर उष्णता देने का प्रयत्न किया। परंतु प्रभात की प्रथम किरण के साथ गिल्लू चिर निद्रा में सो गया।

16.बसंत ईमानदार लड़का है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

► बसंत एक गरीब शरणार्थी लड़का है। वह मेहनत से पैसा कमाना चाहता है। इसलिए उसने पंडित राजकिशोर से दया की भीख लेने से इनकार करता है। जब वह नोट भुनाने गया तब लौटते समय मोटर के नीचे आ गया और घायल हो गया। घायल होने पर भी वह अपने भाई प्रताप को राजकिशोर के घर पैसे लौटाने को भेजता है। इससे पता चलता है कि बसंत एक ईमानदार और स्वाभिमान लड़का है।

17.पंडित राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दिजिए।

► पंडित राजकिशोर मजदूर नेता थे । गरीबों के प्रति सहानुभूति दिखानेवाले व्यक्ति थे । बसंत के आग्रह पर उसे सहायता करने की दृष्टि से एक छलनी खरीदते हैं। प्रताप से बसंत की मोटर दुर्घटना का समाचार सुनते ही तुरन्त उसके घर पहुँचते हैं। इलाज के लिए डॉक्टर बुलाते हैं। अस्पताल जाने का प्रबंध भी करते हैं। इस तरह हमें राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय मिलता है।

18.कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

► कर्नाटक राज्य को प्रकृतिमाता ने अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृद्ध बनाया है। कर्नाटक की

ANWAR CHS LAGASHETTIKOPPA, HUBLI

प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है ।कर्नाटक के पश्चिहम दिशा में अरबी समुद्र लहराता है । कर्नाटक में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिाम घाट कहते हैं। पश्चिरम घाटों के कुछ भागों को सह्यादि कहते हैं। कर्नाटक के पश्चिाम दिशा में सह्यादि पर्वतमालाएँ हैं। कर्नाटक के दक्षिण दिशा में नीलगिरी पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं।

19.कर्नाटक राज्य की शिल्पकला का परिचय दीजिए।

▶ कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी,ऐहोले, पट्टदकल्लु की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है। बेलूर, हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदीरों में पत्थर की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं। श्रवणबेलगोल में गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है। विजयपुर के व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय दृष्टांत है। मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है। प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च और जगनमोहन राजमहल (आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय मैसूर में अत्यंत आकर्षणीय है।

20.भीष्म साहनी जी के घर के साहित्यिक वातावरण का परिचय दीजिए।

▶ साहनी जी के घर में साहित्यिक वातावरण था। उनके पिताजी शेख-सादी के प्रेमी थी। उनकी माँ के पास कवित्त, गीत, कहानियाँ और लोकोक्तियों का खज़ाना था। इनका बड़ा भाई अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में बाकायदा लिखते थे। साहनी जी के बुआ की बेटी सत्यवती मलिक भी साहित्य सृजन करती थी।

21.लेखक की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है ?

▶ दूसरे दर्जे में जाकर पहले दर्जे का किराया लेने में और अपने को पहनायी गई फूल -मालाएँ बेचने की सोच में लेखक की बेईमानी दिखाई देती है।

22.दिनकर जी के अनुसार 'मानव का सही परिचय' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

▶ दिनकर जी के अनुसार जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए , स्वयं को पहचाने, भाईचारे को समझे वही 'मानव का सही परिचय' है।

23.तिम्मक्का एक आदर्श व्यक्तित्व है। कैसे ?OR तिम्मक्का समाज सेवा में एक मिसाल बन गयी है। कैसे?

▶ ग्रामीण और गरीब परिवार में जन्म लेनेवाली तिम्मक्का समाज सेवा में एक मिसाल बन गयी है। तिम्मक्का अपने वैयक्तिक दुःख और कमियों की चिंता न किए, पेड़ों को लगाकर पर्यावरण की रक्षा कर रही है। पुरस्कार के रूप में मिलनेवाली धनराशि को समाजकार्य और दीन-दलितों की सेवा में अर्पित कर रही है। उनका यह कार्य और व्यक्तित्व हम सबके लिए अनुकरणीय है।

24.पर्यावरण संरक्षण में तिम्मक्का का क्या योगदान है ?

▶ पर्यावरण संरक्षण में तिम्मक्का का अभूतपूर्व योगदान है। तिम्मक्का ने हुलिकल और कुदूर के बीच चार किलोमीटर के रास्ते के दोनों ओर बरगद के डाल लगाये और भेड़-बकरियों से उनकी रक्षा करने की व्यवस्था भी की । तिम्मक्का ने अब तक 300 से अधिक पेड़ लगाये हैं। इस तरह तिम्मक्का पेड़ों को लगाकर पर्यावरण की रक्षा कर रही है।

25.तुलसीदास जी के अनुसार मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है ?

▶ देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है। इस तरह शुध्दि होने से मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश फैलता है।

26.बालकृष्ण अपनी माता यशोदा से क्या-क्या शिकायतें करता है ?

▶ भाई बलराम बहुत चिढ़ाता है । वह कहता है 'तुम्हें माँ यशोदा ने नहीं जन्म दिया है, बल्कि मोल लिया गया है ।बार-बार पूछता है कि तुम्हारे माता-पिता कौन है । और कहता है नंद और यशोदा गोरे हैं लेकिन तुम क्यों काले हो । यह सुनकर ग्वाला मित्र चुटकी बजाकर हँसते हैं । बलराम ने ग्वाला मित्रों को यह सीखाया है । इस तरह बालकृष्ण अपनी माता यशोदा से शिकायतें करता है ।

27.कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?

▶ कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता । क्योंकि बलराम कृष्ण को 'तुम्हें माँ यशोदा ने नहीं जन्म दिया है, बल्कि मोल लिया गया है ।' इस तरह कहके चिढ़ाता है । इसी गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता ।

28.डॉ.कंबार जी को लोकसाहित्य में रूचि कैसे उत्पन्न हुई ?

▶ डॉ.कंबार जी बचपन से ही पौराणिक प्रसंगों को मन लगाकर सुनते थे और सामान्य जनता के जीवन में अधिक दिलचस्पी थी । इसी कारण कंबार जी को लोकसाहित्य में रूचि उत्पन्न हुई ।

29.राष्ट्रभाषा हिंदी के बारे में डॉ.कंबार जी के क्या विचार हैं ?

▶ हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है । राष्ट्र में एकता लाने के लिए हिंदी भाषा अत्यंत उपयोगी है ।आजकल हिंदी भाषा संपर्क भाषा के रूप में प्रचलित है । हमें आपसी व्यवहार के लिए हिंदी सीखना जरूरी है ।

30.शनिःचर का अर्थ क्या है ? शनि किसका पुत्र है ?

▶ शनिःचर का अर्थ है - धीमी गति से चलनेवाला । पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि सूर्य का पुत्र है ।

31.शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

▶ शनि का वायुमंडल हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से निर्माण हुआ है।

32.सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसे होता है ?

▶ सत्य बहुत भोला-भाला, सीधा-सादा, जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया वही सत्य है। सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है । ज्ञान की प्रतिलिपि है । आत्मा की वाणी है ।

33.महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है ?

▶ महात्मा गांधी का कथन है -"सत्य एक विशाल वृक्ष है । उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते हैं । उनका अंत नहीं होता ।"

34.अनमोल समय पाठ के आधार पर जीवन में समय का महत्व क्या है ? OR अनमोल समय पाठ के आधार पर समय को अमूल्य क्यों माना जाता है ?

▶ समय अनमोल रत्न है । हमारा जीवन समय से बना हुआ है । समय के नष्ट हो जाने से जीवन भी विनष्ट हो जाता है ।खोया हुआ समय वापस नहीं आता । इसलिए समय को अमूल्य माना जाता है ।

35.अनमोल समय पाठ के आधार पर जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक तत्व कौन-सा है? OR 'समय का सदुपयोग' से क्या तात्पर्य है ?

▶ 'सही समय पर सही काम करना ।' समय के महत्व को जानना ही जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक तत्व है ।

ANWAR GFGS NAGASHETTIKOPPA HUBLI